# प्रगटे गोकुल कृष्ण मुरारी

प्रगटे गोकुल कृष्ण मुरारी,
नक्षत्र रोहिणी कृष्ण अष्टमी,
भादों रात परम अंधियारी,
प्रगटे गोकुल----------

बजत बधईया नन्द अंगनवां,
गोपिन ग्वाल बजावत तारी,
प्रगटे गोकुल----------

भरि आनंद सब करत कुतूहल,
प्रेम मगन हर्षित नर नारी,
प्रगटे गोकुल----------

देवन मिलि दुंदुभी बजावत,
धरा अवतरे कंस प्रहारी,
प्रगटे गोकुल कृष्ण मुरारी--।।

रचना आभार: ज्योति नारायण पाठक
वाराणासी

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/17594/title/pragate-gokul-krishan-murari

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |